फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति की प्रभाविता का सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता के सन्दर्भ में अध्ययन

डॉ. कुलदीप मिश्रा
सहायक आचार्य, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय,
केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर

सार
शोध अध्ययन में फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति की प्रभाविता का सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता के सन्दर्भ में अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सामाजिक विज्ञान समूह के 30 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को उद्देश्यात्मक प्रतिचयन किया गया। चयनित किए गए सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की प्रथम व बीसवीं पाठ योजना का मापन पूर्व एवं पश्च शिक्षण दक्षता मापनी द्वारा किया गया। अध्ययन में फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। इस अध्ययन में प्रदत्तों का विश्लेषण युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण की सहायता से किया गया।

प्रस्तावना
कक्षा कक्ष अन्तःक्रिया से तात्पर्य है कक्षा में होने वाली शिक्षक एवं छात्रों के मध्य अन्तःक्रिया से है। शिक्षक एवं छात्र के मध्य होने वाली कक्षा कक्ष अन्तःक्रिया को ही आधुनिक समय में शिक्षण कहा जाता है। शिक्षक और छात्र के मध्य कक्षा अन्तःक्रिया शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का एक अनिवार्य अंग है। कक्षा कक्ष अन्तःक्रियाओं द्वारा कक्षा–कक्षीय वातावरण का निर्माण होता है। शिक्षक एवं छात्रों की अन्तःक्रिया कक्षा के सामाजिक तथा संवेगाात्मक वातावरण से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित होती है। कक्षा कक्ष अन्तःक्रिया एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षक और छात्र के मध्य विषयवस्तु के स्तर पर सहकालीक एवं परस्पर अन्तःक्रिया होती है। इस प्रकार कक्षा–कक्षीय अन्तःक्रियाओं को प्रभावी बनाने के लिए अन्तःक्रियाओं का विश्लेषण किया जाना आवश्यक है। अतः शिक्षक व्यवहार एवं शिक्षण दक्षता में सम्बन्ध को स्पष्ट करने के लिए फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति की प्रभाविता का सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता के सन्दर्भ में अध्ययन किया गया है।

शोध के उद्देश्य – फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च शिक्षण दक्षता के माध्य फलांकों की तुलना करना।

परिकल्पना – फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च शिक्षण दक्षता के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है।

शोध प्रविधि – प्रस्तुत शोध कार्य को सम्पन्न करने हेतु प्रयोगात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श – प्रस्तुत शोध कार्य में न्यादर्श के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जयपुर महानगर के श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय के सामाजिक विज्ञान समूह के 30 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों का उद्देश्यात्मक प्रतिचयन किया गया।

उपकरण – प्रस्तुत शोध में प्रदत्त संकलन हेतु मानकीकृत उपकरण के रूप में पासी एवं ललिथा (1979) द्वारा विकसित सामान्य शिक्षण दक्षता मापनी का उपयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ – प्रस्तुत शोध अध्ययन के संदर्भ में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु युग्म न्यादर्श 't' की परीक्षण का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तो का विश्लेषण – फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च शिक्षण दक्षता के माध्य फलांकों की तुलना करना। इस उद्देश्य से सम्बन्धित प्रदत्त का विश्लेषण युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण की सहायता से किया गया, जिसके परिणाम सारणी 1.0 में दिए गए हैं–

सारणी क्रमांक 1.0

सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता के M,N, SD, df तथा युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान

पूर्व एवं पश्च परीक्षण	N	M	SD	df	t
पूर्व शिक्षण दक्षता	30	72.33	9.66	29	24.34**
पश्च शिक्षण दक्षता	30	115.30			

****0.01 सार्थकता स्तर पर**

सारणी क्रमांक 1.0 से विदित होता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च शिक्षण दक्षता के युग्म न्यादर्श 't' परीक्षण का मान = 24.34 है, जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है जबकि df = 29 है। इसका तात्पर्य है कि पूर्व एवं पश्च शिक्षण दक्षता के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर है। अतः शून्य परिकल्पना ''फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचारित सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व एवं पश्च शिक्षण दक्षता के माध्य फलांकों में सार्थक अंतर नहीं है'' निरस्त की जाती है। सारणी 1.0 से स्पष्ट है कि पश्च शिक्षण दक्षता का माध्य फलांक 115.30 है, जो कि पूर्व शिक्षण दक्षता के माध्य फलांक 72.33 से सार्थक रूप से उच्च है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया।

निष्कर्ष एवं विवेचना – फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। उक्त निष्कर्ष की विवेचना निम्नलिखित हैः–

फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण दक्षता व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। इनका सम्भावित कारण यह हो सकता हैं कि शिक्षण दक्षता के अन्तर्गत प्रश्न पूछना, व्याख्यान देना, मौन/विभ्रान्ति, पुनर्बलन, आलोचना करना इत्यादि घटक सम्मिलित होते ही हैं। फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा प्रतिपुष्टि के आधारों में शिक्षण दक्षता के घटक स्वयं ही सम्मिलित हो जाते हैं। इसके परिणाम स्वरूप प्रतिपुष्टि के द्वारा बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण दक्षता में सुधार हुआ होगा। सम्भवतः इन्हीं कारणों से फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति द्वारा उपचार सामाजिक विज्ञान समूह के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण दक्षता व्यवहार पर सार्थक रूप से प्रभावी पाया गया। इन परिणामों की पुष्टि सिंह (2003) के द्वारा किये गए शोध कार्य से भी होती है।

शैक्षिक निहितार्थ

•विभिन्न विषयों के प्रशिक्षण में – शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों का शिक्षण कार्य सम्पन्न किया जाता है। प्रत्येक शिक्षण विषय की प्रकृति अलग–अलग होती है। प्रत्येक विषय के शिक्षण के समय अध्यापकों द्वारा विभिन्न सामान्य कौशलों का प्रयोग किया जाता है। इन विभिन्न विषयों के शिक्षण में इन सामान्य कौशलों का विकास फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति के पृष्ठपोषण के माध्यम से किया जा सकता है साथ ही विभिन्न विषयों का शिक्षण कराने वाले अध्यापकों के लिए फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति के संदर्भ में प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करवाए जा सकते हैं। इससे विभिन्न विषयों के शिक्षण में फ्लैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण वर्गीकृत पद्धति को प्रभावी रूप से प्रयोग किया जा सकता है।

References

1. Jangira, N. (1972). Classroom Behaviour Training of Teachers and Its Relationship with some selected measures of pupils criteria of Teacher Effectiveness. Unpublished Ph.D. thesis M.S. University, Baroda.
2. Singh, S. (1974). A Study of the Relationship between Verbal Interaction of Teachers in classroom and Attitude towards (with special reference to B.Ed. students),. Ph.D. Edu. Mee. U.
3. Raijiwala, B. (1976). Changing Teacher Behaviour in the Teaching of Science and Studying its Effect on pupils. Ph.D. Edu. MSU.
4. Vasishtha, K. (1976). An Experimental Study of The change in some characteristics and Verbal Behaviour of Secondary Science and Training in verbal interction Technique Mathematics Student - Teacher through the Ph.D. Edu. Mee U.
5. Goel, S. (1978). Behaviour Flow Patterns of Extrovert and introvert Teachers in classroom at secondary level, . Ph.D. Edu. Mee U.
6. Thakur, S. (1980). A Study of the Relationship between verbal Interaction of Teachers in Classroom and Attitude towards Teaching (with special reference to B.Ed. studnets). Ph.D. Edu. HPU.
7. Khajuria, D. (1981). The typical patterns of Classroom Verbal Behaviour Exhibited by Successful Teachers of Language and Science, . Ph. D. Edu. Jammu U.
8. Joglekar, S. (1981). Study of the Patterns of Influence of Eighth grade Science teachers of Greater Bombay,. Ph.D. Edu., Bombay, U.
9. Kumar, S. (1982). An investigation into the questioning patterns of social studies and science Teachers in the English-Medium Schools. Ph.D. Edu., MSU.
10. Meera, S. (1988). A study of the relationship between teachers behaviour and teaching aptitude of teacher-trainees M.Phil Edu. Avinashilingam institute for home science and Higher Education.

11. Kaur, J. (2001). "Effect of training in FIACS on some selected teaching skills". Agra., Indian Journal of Psychometry and Education Vol 32 No. 1 Page 69-72.
12. Singh, N. (2003). A study effect of FICAS as A feedback technique on teaching competency of student teacher. Indore: M.Ed. dissertation DAVV .
13. Shahi, R. S. (2010). Observation and Analysis of Classroom Teaching at Tertiary level Shodh Sanchayan. Vol. 1.
14. Nurmastitah, S. (2010). A study of Classroom interaction Characteristics in a Geography class counducted in English: The case at year ten of an immersion Class in SMA N2 Semarang. Postgraduate Program Diponegoro University, Semarang.